बुधवार
06 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

कमर दर्द की समस्या से हमेशा रहते हैं परेशान ?

पृष्ठ 5

वागले की दुनिया की प्राप्ति शुक्ला द डिप्लोमैट से करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 209
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जब तक भारत का राजकाज अपनी भाषा में नहीं चलेगा तब तक हम यह नहीं कह सकते कि देश में स्वराज है।

– मोरारजी देसाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विपक्ष की घेराबंदी से सरकार पस्त

❑विपक्ष ने दूसरे दिन भी सत्र की अवधि बढ़ाने पर किया हंगामा

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज विपक्ष की जबरदस्त घेराबंदी के सामने सत्ता पक्ष पस्त दिखाई दिया। सत्र का समय बढ़ाने की मांग को लेकर कांग्रेसी विधायकों ने आज भी जबरदस्त हंगामा किया। जिस पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने यह कहकर कि सरकार के पास बिजनेस नहीं है इसलिए सत्र का समय बढ़ाया जाना संभव नहीं है सरकार पर ही सवाल खड़ा कर दिया। वही सरकार को आज अपने विगत गैरसैंण सत्र के दौरान कांग्रेसी विधायकों के निलंबन प्रस्ताव को भी वापस लेना पड़ा।

सत्र की शुरुआत से ही कांग्रेसी विधायक सत्र की अवधि को कम रखने को लेकर आग बबूला है। उनका आरोप है कि सरकार ने कुछ काम ही नहीं किया है इसलिए वह विपक्ष द्वारा जनता की समस्याओं से जुड़े सवालों को सुनने को भी तैयार नहीं है इसलिए जानबूझकर सत्र की अवधि को कम रखा गया है जो गैर संवैधानिक है। आज भी सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेसी

❑सरकार के पास काम नहीं: संसदीय कार्यमंत्री
❑सरकार ने वापस लिया निलंबन का प्रस्ताव

विधायकों ने धरना प्रदर्शन किया। यशपाल आर्य का कहना है कि सरकार अभी भी यूपी के नियम कानून पर चल रही है। सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने यह कहकर कि जब सरकार के पास काम ही नहीं तो सत्र को बढ़ाने की क्या जरूरत है अपनी सरकार को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। यह पहला मर्तबा है जब किसी संसदीय कार्य मंत्री ने ऐसा अति गंभीर और बेतुका जवाब दिया है कि सरकार के पास बिजनेस नहीं है।

11 बजे सदन की कार्यवाही जब शुरू हुई तो विपक्ष ने राज्य में अतिक्रमण हटाओ अभियान पर चर्चा की मांग की गई लेकिन सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार नहीं दिखी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के बारे में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उन्होंने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अतिक्रमण हटाने की आड़ में किसी भी व्यापारी या सड़क के किनारे काम करने वाले राज्य के लोगों का उत्पीड़न न किया जाए साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लैंड जिहाद के खिलाफ उनकी सरकार का अभियान जारी रहेगा।

उधर कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने 14 मार्च को गैरसैंण सत्र के दौरान 11 कांग्रेसी विधायकों को निलंबित किए जाने को गैर संवैधानिक बताते हुए कहा कि सदन में इसका पहले प्रस्ताव लाया जाना चाहिए था। जिन कांग्रेसी विधायकों को सीधे तौर पर निलम्बित करने का फैसला लिया गया था वह गैर संवैधानिक था। जिसे आज सरकार ने गैर संवैधानिक

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कार्बेट पार्क में हुए अवैध कटान के मामले में सीबीआई जांच के आदेश

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने कॉर्बेट पार्क में हुए अवैध पेड़ कटान व निर्माण की सीबीआई जांच कराने के आदेश दिये है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और विजिलेंस से इस मामले के रिकार्ड सीबीआई को सौंपने के निर्देश दिये गये है। मामले में अब पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत सहित कुछ आईएफएस व अन्य अधिकारियों की मुश्किलें बढ़नी तय है।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायाधीश आलोक वर्मा की खंडपीठ ने आज यह फैसला दिया है। इस बहुचर्चित मामले में याचिकाकर्ता अनु पंत ने हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर सीबीआई जांच की मांग की गयी थी। अभी इस मामले की विजिलेंस जांच कर रही है। इस मामले में पूर्व आईएफएस किशन चंद जेल जा चुके हैं। हाल ही में, विजिलेंस ने पूर्व मंत्री हरक के प्रतिष्ठान से दो जेनरेटर बरामद किये गये थे।

पिछली सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आलोक वर्मा की खण्डपीठ ने बहस सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया गया था जिसे आज सुनाया गया है। पिछली तिथि को कोर्ट ने अवैध निर्माण व पेड़ कटान में लिप्त लोगों के खिलाफ की गयी कार्यवाही की रिपोर्ट पेश करने को कहा गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि कोर्ट ने एक साल पहले पेडों के कटान के इस मामले में मुख्य सचिव को कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे जिसके बाद अब तक पांच जांच हो चुकी है।

आज हाईकोर्ट के इस निर्णय से कांग्रेस व डा. हरक सिंह की मुश्किले बढ़ना तय माना जा रहा है।

सनातन धर्म पर टिप्पणी करने पर उदयनिधि स्टालिन और प्रियंक खड़गे के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

नई दिल्ली। सनातन धर्म पर एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस के राष्ट्र अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे के खिलाफ रामपुर के सिविल लाइंस थाने में विवाद को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ है। दरअसल सिविल लाइंस कोतवाली में अधिवक्ता हर्ष गुप्ता और राम सिंह लोधी द्वारा दोनों नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। जहां उदयनिधि

स्टालिन और प्रियांक खरगे पर ये आरोप लगाया गया है की उन्होंने समाज में धार्मिक भावनाएं भड़काने और समाज में द्वेष फैलाने का काम किया है। मुकदमा दर्ज करवाने वाले हर्ष गुप्ता का कहना है की 4 सितंबर को तमिलनाडु के अखबारों में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन द्वारा धर्म को डेंगू मलेरिया बताकर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचयाया है। वहीँ मल्लिकार्जुन के बेटे प्रियांक खरगे ने उदयनिधि स्टालिन का समर्थन किया। इस मामले की जांच कर रहे एसपी अशोक कुमार शुक्ला का कहना है की स्टालिन और प्रियांक खरगे पर आईपीसी की धारा 153ए, 295ए के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कर्नाटक के मंत्री का बयान, 'हिंदू धर्म कब जन्मा कोई नहीं जानता'

नई दिल्ली। सनातन की डेंगू से तुलना के बाद अब हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाए गए हैं। ताजा बयान कर्नाटक के गृह विभाग के मंत्री परमेश्वर की तरफ से आया है। परमेश्वर ने कहा कि हिंदू धर्म की उत्पत्ति के बारे में किसी को नहीं पता है। कर्नाटक के तुमकुर शहर में एक जनसभा में मंत्री परमेश्वर ने कहा, दुनिया के इतिहास ने अनेक धर्मों का उदय देखा है। लेकिन किसी को ये नहीं पता कि हिंदू धर्म कब जन्मा या इस धर्म को किसने जन्म दिया। इस पर सवाल-निशान लगा हुआ है। किसी ने इस सवाल का हल नहीं ढूंढा। बौद्ध धर्म और जैन धर्म

की भारत में उत्पत्ति हुई। इस्लाम और ईसाई धर्म देश में बाहर से आए। ये सभी मानवता के भले के लिए आए। मंत्री परमेश्वर का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब राजनीतिक गलियारों में सनातन पर घमासान मचा है।

हाल ही में तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए इसे खत्म करने की बात कही थी। चेन्नई में तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कोरोनो वायरस, मलेरिया और डेंगू बुखार से की और कहा कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि खत्म कर देना चाहिए। उनके इस विवादित बयान के बाद जमकर हंगामा हो रहा है। हालांकि उदयनिधि अपने बयान पर कायम है और कह रहे हैं, 'मैं ये बात बार-बार कहूंगा।'

दून वैली मेल

संपादकीय

भारत व इंडिया पर महाभारत

यह आखिर कैसा नया भारत है जहां आजादी के साढे सात दशक बाद इस बात पर बवाल खड़ा किया जा रहा है कि देश का एक नाम हो और वह भारत हो। इस व्यर्थ के विमर्श को खड़ा करने वालों की इसके पीछे आखिर मंशा क्या है, देश को भारत कहा जाए या हिंदुस्तान अथवा इंडिया इससे क्या फर्क पड़ता है? 75 सालों में इस देश ने जो मुकाम हासिल किया है क्या यह नाम इस देश की प्रगति और राजकाज में किसी तरह की बधाएं डाल रहे हैं। भले ही देश के नेताओं को कुछ भी लगता हो लेकिन देश की जनता को ऐसा कुछ नहीं लगता है। हर देशवासी को भारत से जितना प्यार है उतना प्यार उसे हिंदुस्तान और इंडिया से भी है। लेकिन इस देश की वर्तमान सरकार को लगता है कि वह जो भी कहे या सोचे वही सही है तथा उसे ही सबको मानना चाहिए और कोई न माने तो उसे जबरदस्ती मनवाओ क्योंकि हम पूरे बहुमत के साथ सत्ता में है। लेकिन यह भावना देश के लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है हमारे संविधान की प्रस्तावना ही जब वी आर द सिटीजन ऑफ इंडिया से होती है और संविधान में जब वह उल्लेख है कि इंडिया दैट इज भारत तो आखिर अब इसे बदलने और इसकी जगह रिपब्लिक आफ भारत करने का प्रयास इस दृढ़ता से क्यों किया जा रहा है कि इसका विरोध करने वालों को भारत विरोधी बता दिया जाए। सच बात यह है कि देश की वर्तमान सरकार ने अपने किसी भी काम के खिलाफ बोलने वालों को भारत विरोधी या राष्ट्रीय विरोधी कहे जाने को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की रवायत बना ली है। भले ही इस मुद्दे पर सत्ता में बैठे लोग कुछ भी कहे या तर्क दे लेकिन सरकार द्वारा राष्ट्रपति भवन से जारी किए गए निमंत्रण पत्रों में रिपब्लिक आफ भारत लिखकर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं कि वह क्या चाहती है। इस पर देश भर से आ रही क्रिया प्रतिक्रियाओं से यह साफ हो गया है कि इस मुद्दे पर पूरा देश दो विचारधाराओं में बट गया है। जो इस बात की पुष्टि करता है कि भाजपा की सरकार का हर आदेश देश के समाज को बांटने वाला होता है वह बात एक देश एक नाम की बात हो या फिर एक देश एक कानून यानी (यूसीसी) की बात हो। यह सभी काम भारत की उस राष्ट्रीय विविधता की सभ्यता और संस्कृति के खिलाफ है जिसके लिए भारत को विश्व में जाना जाता है। इन दिनों सरकार ने एक देश एक चुनाव का भी राग छेड़ा हुआ है। सवाल यह है कि सरकार 1967 वाली पूर्व व्यवस्था को लागू कर पीछे क्यों लौटना चाहती है जब दुनिया आगे और आगे बढ़ रही है। वर्तमान में इलेक्ट्रानिक मशीनों से मतदान हो रहा है हो सकता है आप कल फिर वैलिड पेपर से चुनाव की बात करने लगे। ऐसा लगता है कि वर्तमान दौर के नेताओं के लिए राजनीति का मतलब सिर्फ हर रोज नए विवाद और उन पर विमर्श खड़े करना ही रह गया है। देश के सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल इंडिया का नाम बदलकर भारत करने संबंधी याचिका को खारिज करते हुए कहा कि भारत के लोग भारत या इंडिया दोनों में से कोई भी नाम लिख या बोल सकते हैं उन्हें रोका नहीं जा सकता मगर देश की वर्तमान सरकार की समझ में न देश की सबसे बड़ी अदालत की मंशा समझ में आ रही है और न संविधान की भाषा और न देश के मन की बात। उन्हें तो सिर्फ संघ प्रमुख मोहन भागवत की बात ही समझ में आ रही है जिन्होंने अभी चन्द रोज पूर्व कहा था कि इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाना चाहिए। सरकार को उनका यह सुझाव जचने का एक कारण यह भी हो सकता है कि विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम इंडिया रख लिया है जो अब भाजपा के नेताओं को डरा रहा है। सरकार अगर इंडिया से डर कर देश का नाम बदलने पर तुली है तो इससे निम्न स्तर की राजनीति और कुछ नहीं हो सकती।

बातों में उलझा उडाये जेवरात, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बातों में उलझाकर जेवरात उडाने के मामले में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाली कोठी चौक निवासी रिपुल वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी श्री रिद्धी सिद्धी ज्वैलर्स के नाम से ज्वैलर्स की दुकान है। 4 सितम्बर 2023 को दिन में 12 बजे पर उसने अपने भाई विपुल वर्मा को दुकान से दो मंगल सूत्र 16.86 ग्राम व काली माला पोत की बनी हुई एवं दूसरा मंगल सूत्र एक पेंडल 23 क्रेट की मोहर अंकित है जिसका वजन 4 ग्राम हैं। जिसकी कीमत दोनो मंगल सूत्र की 60 हजार रूपये लगभग हैं। कारिगर के पास धामावाला बाजार में ठीक कराने के लिए भिजवाया था। जैसे ही उसका भाई चंदन नगर 108 ऑफिस के पास काम्पलेक्स के निकट पहुंचा तो वहॉ पर दो लडको द्वारा उसके भाई विपुल वर्मा को बातो में उलझा कर उसके द्वारा दिया गया सामान उसकी जेब से चोरी कर लिया और वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

व यो नवतिं पुरो बिभेद बाह्वोजसा।
अहिं च वृत्रहावधीत्॥

(ऋग्वेद ९-९३-२)

प्रबुद्ध आत्मा अज्ञानता और दुखों की 99 अर्थात अनेकों बस्तियों को नष्ट करने का सामर्थ्य रखती है। उत्तम आत्मा अज्ञानता के अंधकार को नष्ट करती है और सर्प जैसी दुष्ट भावनाओं का नाश करती है।

चार सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनकारियों ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने विधानसभा के समक्ष धरना देकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद एवं विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा राज्य आंदोलनकारियो की मांगों के संबंध में एक दिवसीय विधानसभा के समक्ष धरना दिया गया व मागों का ज्ञापन उप जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। धरने में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि राज्य आंदोलनकारीयो की मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार नहीं किया गया तो भविष्य में आंदोलनकारीय संगठनों को संघर्ष का बिगुल बजाना पड़ेगा वक्ताओं ने कहा शीघ्र अति शीघ्र सरकार राज्य आंदोलनकारीयो की मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए राज्य आंदोलन की गंभीरता को समझते हुए मांगों पर शीघ्र नीतिगत निर्णय लें। धरने में शामिल होने वाले उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गोसाई, प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, उत्तराखंड चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संगठन के अध्यक्ष जबर सिंह पावेल व उपाध्यक्ष लोक बहादुर थापा व उत्तराखंड महिला मंच की संयोजक निर्मला बिष्ट, विमला रावत, संगीता रावत, सत्या पोखरियाल व पुष्प लता सिल्माना, व जनवादी महिला समिति की ओर से नुरसा अंसारी, शाकंभरी रावत व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी राजेंद्र पुरोहित, अनंत आकाश, प्रेम सिंह नेगी, जगमोहन रावत, बालेश बवानिया, धर्मानंद भट्ट, प्रभात डंडरियाल, लखन चीलवाल, द्वारिका डिमरी, कुसुम बिष्ट, गोदांबरी भट्ट, देवेश्वरी गोसाई, कल्पेश्वरी नेगी, बीना कुकरेती आदि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

आयोग ने 1400 भर्तियों की समयावधि तय की

देहरादून (सं)। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा राज्य में 1400 भर्तियों की समय सीमा तय कर दी है। आज यहां उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से बेरोजगारों के लिए अच्छी खबर है। आयोग ने 6 अलग-अलग भर्ती परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार करीब 1400 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए विज्ञापन जारी करने से लेकर परीक्षा तिथि तक का शेड्यूल आयोग ने जारी कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया ने बताया कि उक्त सभी परीक्षाएं समय सीमा के भीतर संपन्न की जाएगी। उन्होंने ने बताया कि आयोग में आये अधियाचन के अनुसार सहायक कृषि अधिकारी 34, स्नातक स्तरीय 226, सहायक अध्यापक एलटी 657, इंटरमीडिएट स्तरीय 293, इंटरमीडिएट स्तरीय विषय आधारित 136 पदों पर भर्ती परीक्षा होगी।

सामुहिक दुष्कर्म मामले में फरार चल रहा तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मानसिक रूप से कमजोर नाबालिग के साथ सामुहिक दुष्कर्म मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में ग्राम प्रधान सहित दो आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किये जा चुके है।

जखोली ब्लाक के एक गांव निवासी मानसिक रूप से कमजोर नाबालिग 23 अगस्त को गाय चराने जंगल में गयी थी। पीड़िता के मानसिंग कमजोरी का फायदा उठाते हुए ग्राम प्रधान सहित तीन लोगों ने उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया। नाबालिक लड़की के पिता द्वारा इस मामले में पटवारी को तहरीर देकर तीनों आरोपियों को नामजद कराया गया था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए राजस्व पुलिस द्वारा यह मामला रेगुलर पुलिस को सौंप दिया गया। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने ग्राम प्रधान सहित दो लोगों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इस मामले में फरार चल रहा तीसरा आरोपी (नेपाली मूल) पुलिस पकड़ से बाहर था। जिसे पुलिस ने कल देर रात कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसका नाम राम बहादुर पुत्र कालीमत बहादुर निवासी बेरी कोट गांव पालिका थाना लिम्सा नेपाल बताया जा रहा है। जिसे न्यायालय में पेश कर जिला कारागार पुरसाड़ी (चमोली) भेज दिया गया है।

चोपड़ा ने किया मैं भारत हूं फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित पत्रिका का विमोचन

संवाददाता

हरिद्वार। मैं भारत हूं फाउंडेशेन द्वारा प्रकाशित पत्रिका का संजय चोपडा द्वारा विमोचन किया गया।

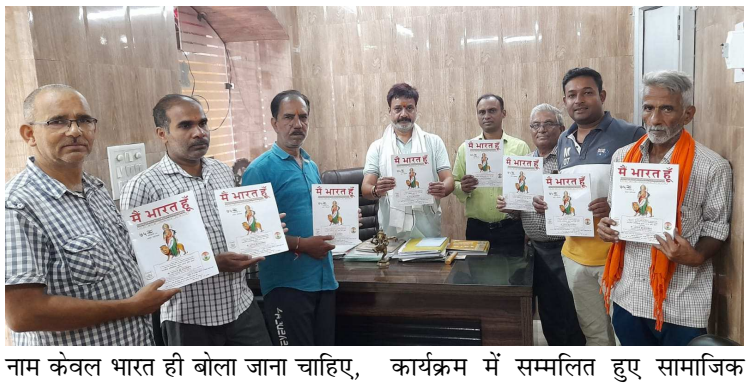

आज यहां मैं भारत हूं फाउंडेशन द्वारा देश से इंडिया नाम हटाकर देश का एक नाम भारत किए जाने के आंदोलन का समर्थन करते हुए उत्तराखण्ड विकास मंच के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के द्वारा कंधारी धर्मशाला स्थित कार्यालय पर मैं भारत हूं भारतीय संस्कृति सामाजिक राजनीतिक ऐतिहासिक भावनाओं से प्रेरित पत्रिका का विमोचन करते हुए उत्तराखंड से मैं भारत हूं मुहिम का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए एक देश एक नाम गर्व से कहो मैं भारत हूँ देश का नाम भारत किए जाने का खुला समर्थन किया।

इस अवसर पर उत्तराखंड विकास मंच के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा अन्य देशों की भांति हमारे देश का नाम केवल भारत ही बोला जाना चाहिए, इंडिया नाम हमारे देश को अंग्रेजी हुकूमत के दौरान दिया गया था जबकि देश का इतिहास भारत नाम से ही दोहराया जाता है मैं भारत हूं फाउंडेशन मुंबई द्वारा भारतवर्ष में चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करते हुए जन समर्थन के साथ सभी सामाजिक संगठनों को साथ लेकर उत्तराखंड राज्य में भी देश का नाम भारत नाम दोहराया जाने के लिए जन जागरण अभियान चलाए जाते रहे है।

मैं भारत हूं पत्रिका का विमोचन कार्यक्रम में सम्मलित हुए सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में समाजिक कार्यकर्ता संजय बंसल, वरिष्ठ व्यापारी नेता राजेश खुराना, श्रमिक कल्याण परिषद के महामंत्री कुंवर सिंह मंडवाल, हेमंत शर्मा, सोनू गुप्ता, सुंदरलाल राजपूत, हंसराज दुआ, राजेश अरोड़ा, रवि सभरवाल, मनोज कुमार, राजेंद्र पाल, मुकेश कोठियाल, राधेश्याम रतूड़ी, वीरेंद्र रावत, चंदन सिंह बिष्ट, मानसिंह, जय सिंह बिष्ट आदि मुख्य रूप से सम्मलित हुए।

दो किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान ढाकपटटी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 800 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम कृष पुत्र सिकन्दर निवासी सपेरा बस्ती राजपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पम्प हाउस से केबिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पम्प हाउस से 800 फीट केबिल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गजल्वाडी निवासी पोलो पम्प हाउस के कर्मचारी आकाश बाबू ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में चोरों ने पम्प हाउस से 800 फिट केबिल चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में पति व सास पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पति व सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट निवासी राजकुमारी पंवार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह रोशनाबाद निवासी राजवीर सिंह पंवार के साथ हुआ था। उसने बताया कि उसक पति राजवीर व उसकी सास कमलेश देवी ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर उसको घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बुलेरों की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। बुलेरो की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी सूरज असवाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन अपने स्कूटी से बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह वृन्दा गार्डन के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे बुलेरो वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पवन कल्याण के जन्मदिन पर एक्शन से भरपूर ओजी का टीजर जारी

पवन कल्याण स्टारर फिल्म ओजी के निर्माताओं ने उनके 52वें जन्मदिन पर उनकी अपकमिंग एक्शन फिल्म के हाल ही में लॉन्च किए गए टीजर में स्टार की हंग्री चीते की एक झलक साझा की।

टीजर फैंस को ओजस गंभीरा उर्फ ओजी नाम के गैंगस्टर से परिचित कराता है, जिसका किरदार पवन कल्याण ने निभाया है।

एक मिनट, चालीस सेकंड लंबे टीजऱ की बात करें तो, यह खून-खराबे, एक्शन दृश्यों से भरपूर है और अभिनेता को मुंबई के एक घातक गैंगस्टर होने के इर्द-गिर्द घूमने वाली घटनाओं के कारण हंग्री चीता कहा जाता है।

टीजऱ पर एक नजर डालने पर यह कहना आसान है कि फिल्म के चारों तरफ ब्लॉकबस्टर लिखा हुआ है। टीजर जारी होने के बाद, फिल्म और पावर स्टार से उम्मीदें बढ़ गई हैं।

फिल्म के प्रोडक्शन बैनर डीवीवी एंटरटेनमेंट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीजऱ शेयर करते हुए लिखा, यहां है... हंग्री चीता आ गया है।

फिल्म में सह-कलाकार इमरान हाशमी, प्रियंका मोहन, अनुभवी अभिनेता प्रकाश राज, अर्जुन दास और श्रिया रेड्डी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह ओजी डीवीवी दानय्या द्वारा निर्मित, डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत सुजीत द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है।

इमरान हाशमी जो ओजी के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रहे हैं, अपने ऑनस्क्रीन प्रतिद्वंद्वी पवन कल्याण के साथ भिड़ते नजर आएंगे।

फर्श पर बैठने के भी हैं कई फायदे

कुर्सी या बेड पर बैठने से कही ज्यादा फायदेमंद होता है फर्श पर बैठना। फर्श या जमीन पर बैठना दुनिया की कई संस्कृतियों का अहम हिस्सा भी रहा है। भारत में जमीन पर बैठकर खाने की प्रथा काफी पुरानी है। आज भी गांवों में लोग जमीन पर बैठकर खाना खाना पसंद करते हैं। मगर फर्श पर बैठने से सेहत को कई तरह के फायदे होते हैं। इससे पाचन में सुधार होता है और शरीर का लचीलापन बना रहता है। आइए जानते हैं कि जमीन पर बैठना क्यों फायदेमंद है और इससे सेहत को क्या फायदा पहुंचता है। आजकल भले ही टेबल-कुर्सी पर खाना खाने का चलन शहरी तहजीब का हिस्सा समझा जाने लगा हो मगर फर्श पर बैठ कर खाने से सेहत पर अच्छा असर पड़ता है। दरअसल फर्श पर जिस तरह एक पैर को दूसरे पर रखकर बैठा जाता है यह एक तरह का आसन है। आसन की इस मुद्रा में

बैठकर खाना खाने से पाचन क्रिया दुरुस्त बनी रहती है। इसके अलावा फर्श पर बैठेने के और भी फायदे होते हैं। फर्श पर बैठने से शरीर के निचले भाग की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है। यह आपके शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे कूल्हों, पैरों में खिंचाव की वजह से शरीर का लचीलापन बढ़ता है। साथ ही पैरों में मजबूती आती है।

फर्श पर बैठने से पाचन क्रिया अच्छी रहती है। इससे पाचक रस बेहतर तरीके से अपना काम करते हैं। बैठने का इनके स्त्रावण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही फर्श पर बैठने से वजन संतुलित रखने में भी मदद मिलती है।

परिवार के सभी सदस्य जब फर्श पर बैठकर एक साथ खाते या बातें करते हैं, तो उनके बीच का संबंध मजबूत होता है और प्यार बढ़ता है। साथ ही इस मुद्रा में बैठने से शरीर की कई दिक्कतें दूर हो जाती हैं। हालांकि जिन लोगों को सेहत से जुड़ी दिक्कते हों उन्हें डॉक्टर की सलाह के बाद ही फर्श पर बैठने की आदत डालनी चाहिए।

फर्श पर बैठकर खाने से जहां हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है, वहीं इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे दिल सेहतमंद रहता है।

खतरनाक है ईयरफोन्स का इस्तेमाल

बड़ों से लेकर बच्चों तक के कानों में आपने ईयरफोन्स लगे तो देखा ही होगा। तेज़ आवाज में गाने सुनना, टी.वी देखना कई बच्चों की आदत बन चुका है। इसके चलते वे टिनीटिस (कान में लगातार गूंजती आवाज) की समस्या से जूझ रहे हैं। यह बहरेपन का लक्षण होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि टिनीटिस की समस्या, ईयर बड है, जिनका इस्तेमाल युवा संगीत सुनने के लिए हर रोज़ लंबे समय तक करते हैं। इसके अलावा उनका कहना है कि नाइट क्लब, डिस्को और रॉक कंसर्ट जैसे शोर शराबे वाले स्थानों पर जाना भी कान की सेहत के लिए नुकसानदायक है।

टिनीटिस, एक ऐसी मेडिकल समस्या है, जिसमें कान में लगातार ऐसी आवाज बजती रहती है। इसका कोई बाहरी स्त्रोत मौजूद नहीं होता है। इससे पीड़ित लोग कानों में लगातार घंटी बजने जैसी आवाज की शिकायत करते हैं। कई तो कान में सीटी बजने, गूंज, फुफकार या चींचीं की सी आवाज बताते हैं।

ब्राजील की साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के तनित गांज सानेचेज ने बताया कि किशोरों में बड़े पैमाने पर टिनीटिस की समस्या है। इसे चेतावनी के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि इन युवाओं पर बहरेपन का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। अगर छोटे बच्चे लगातार उच्च स्तर पर होने वाले शोर के बीच रहेगे, तो संभव है कि जब तक वे 30 या 40 साल की उम्र के होंगे तब तक उनकी सुनने की क्षमता खत्म हो चुकी होगा। शोधकर्ताओं ने इसे साबित करने के लिए करीब 11 से 17 साल की उम्र वाले बच्चों के कानों का परीक्षण करने के लिए ओटोस्कोप का इस्तेमाल किया था।

इस दौरान किशोरों से एक प्रश्नावली भरने को कहा गया, जिसमें पूछा गया था कि क्या बीते 12 महीनों में उन्होंने टिनीटिस का अुनभव किया है। अगर हां, तो उसकी आवाज कितनी तेज़ थी, कितनी देर तक सुनाई दी और बारंबारता कितनी है। लगभग आधे यानी 54.7 फीसदी बच्चों ने टिनीटिस का अनुभव किया।

टिनीटिस की परेशानी का अनुभव कर चुके बच्चों की सुनने की क्षमता का आंकलन करने के लिए उन पर सायकोअकाउस्टिक परीक्षण किया गया। इसमें अकाउस्टिक चैंबर में ऑडियोलॉजिस्ट ने ऑडियोमीटर का इस्तेमाल कर सुनने की क्षमता की सीमा को मापा। इसके अलावा शोर से होने वाली परेशानी और टिनीटिस की समस्या को भी मापा गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि सायकोअकाउस्टिक परीक्षण के दौरान करीब 170 बच्चों में से 49 बच्चों को अकाउस्टिक बूथ में टिनीटिस की परेशानी महसूस हुई।

साउंड बूथ में टिनीटिस की जो सायकोअकाउस्टिक लक्षण मिले, वे वयस्कों में टिनीटिस की लंबे समय से चली आ रही समस्या की तरह ही हैं। सानचेज ने कहा कि हमने देखा है कि किशोरों को आमतौर पर टिनीटिस की समस्या होती है। लेकिन वयस्कों की तरह वे इसकी ज़्यादा परवाह नहीं करते हैं और इसके बारे में अपने अभिभावकों और शिक्षकों से शिकायत नहीं करते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे चिकित्सक के पास नहीं जाते हैं और इस तरह यह समस्या लंबे समय तक चलती रहती है। साइंटिफिक जर्नल में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं ने बताया है कि शोध में शामिल बच्चों में ईयर बड का लगातार इस्तेमाल, शोर-शराबे वाले माहौल में ज़्यादा समय तक रहने जैसी जोखिम भरी आदतें होने के बावजूद, जिन्होंने टिनीटिस की समस्या का अनुभव किया, वे तेज़ आवाज़ को सहन नहीं कर सके।

बॉक्स ऑफिस पर गदर 2 उड़ा रही गर्दा!

अमीषा पटेल-सनी देओल स्टारर और अनिल शर्मा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर अब भी तूफान बनी हुई है और फिल्म की कमाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं वे रहा है. इसी के साथ ये फिल्म साल 2023 में बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है. वहीं अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'ओएमजी 2' भी इस महीने की शुरुआत में रिलीज होने के बाद से टिकट काउंटर पर धूम मचा रही है. हालांकि कलेक्शन के मामले में 'ओएमजी 2' से 'गदर 2' काफी आगे है और कई रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है.

'गदर 2' की पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर बादशाहत कायम है. फिल्म ने जमकर कलेक्शन किया है. इसे देखने के लिए सिनेमाघरों में खूब ऑडियंस भी पहुंच रही है.

'गदर 2' से पहले दिन से क्लैश के बावजूद 'ओएमजी 2' ने भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है और जमकर कारोबार भी किया है. हालांकि इस दौरान फिल्म की कमाई में काफी उतार-चढ़ाव भी दर्ज किया गया है बावजूद इसके अक्षय कुमार की ये फिल्म 100 करोड़ से ज्यादा कमाई करने में कामयाब रही है. वहीं तीसरे हफ्ते में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में स्थिर बनी हुई है. अब 'ओएमजी 2' की रिलीज के 21वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक तीसरे गुरुवार यानी रिलीज के 21वें दिन 'ओएमजी 2' ने 1.6 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसी के साथ 'ओएमजी 2' का कुल कलेक्शन अब 141.8 करोड़ रुपये हो गया है.

गदर 2 के मेकर्स रक्षाबंधन के मौके पर लोगों के लिए ऑफर लेकर आए हैं. जिसका फिल्म को काफी फायदा हुआ है. ये ऑफर 3 सितंबर को खत्म होगा. इसमें 2 टिकट खरीदने पर आपको 2 टिकट फ्री मिलेंगे. जिससे की लोग अपने परिवार के साथ गदर 2 को देख सकें.

'गदर 2' और ओएमजी 2 पिछले 21 दिनों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही हैं. हालांकि इस बीच आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल 2 भी सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. ड्रीम गर्ल 2 भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कारोबार कर रही है. लेकिन गदर 2 अब भी कमाई के मामले में काफी आगे है. हालांकि अगले हफ्ते सिनेमाघरों में शाहरुख खान स्टारर फिल्म जवान भी रिलीज होने जा रही है. यानी गदर 2 और ओएमजी 2 सहित ड्रीम गर्ल 2 को भी शाहरुख खान की जवान से कड़ी टक्कर मिलने वाली है. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि बॉक्स ऑफिस पर पहले से राज कर रही ये फिल्म और कितने नोट छाप पाती हैं.

ड्रीम गर्ल 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम!

आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे स्टारर रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' को पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. एक बार फिर पूजा की अदाओं को देखने के लिए सिनेमाघरों में जमकर भीड़ उमड़ रही है इसी के साथ फिल्म जमकर कमाई भी कर रही है. चलिए जानते हैं 'ड्रीम गर्ल 2' ने रिलीज के 7वें दिन कितने करोड़ का बिजनेस किया है?

'ड्रीम गर्ल 2' को बॉक्स ऑफिस पर पहले से जमी बैठी गदर 2 और ओएमजी 2 से मुकाबला करना पड़ा. हालांकि आयुष्मान खुराना की फिल्म को भी दर्शकों से भरपूर प्यार मिला है. फिल्म का ओपनिंग वीकेंड शानदार रहा था. वहीं वीकडेज में भी 'ड्रीम गर्ल 2' ने अच्छा कलेक्शन किया है. वहीं बुधवार को फिल्म की कमाई में 27.77 फीसदी का इजाफा हुआ था और इसने 7.5 करोड़ का बिजनेस किया. वहीं अब 'ड्रीम गर्ल 2' की रिलीज के 7वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'ड्रीम गर्ल 2' ने गुरुवार को भारत में शानदार 8 करोड़ रुपयो का कारोबार किया है. इसी के साथ 'ड्रीम गर्ल 2' की 7 दिनों की कुल कमाई अब 67.50 करोड़ रुपये हो गई है.

अब तक, 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर 'गदर 2' की मजबूत लहर का सामना करने में कामयाब रही है. हालांकि आयुष्मान और अनन्या की फिल्म के लिए आगे की डगर काफी चुनौती भरी रहेगी. दरअसल सुपरस्टार शाहरुख खान की एक्शन थ्रिलर 'जवान' 7 सितंबर को रिलीज हो रही है. ऐसे में ड्रीम गर्ल 2 का शाहरुख खान की फिलम के आगे टिकना बड़ा चैलेंजिंग होगा. ऐसे में आयुष्मान की फिल्म के लिए 100 करोड़ का आंकड़ा पा करना मुश्किल होगा.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कमर दर्द की समस्या से हमेशा रहते हैं परेशान?

कमर में दर्द होना आजकल एक आम समस्या हो चली है। इन दिनों ज्यादातर लोग पीठ दर्द की समस्या का सामना कर रहे हैं। ऑफिस में घंटों-घंटों बैठकर काम करने और गलत पोजिशन में बैठने की वजह से लोगों में यह दिक्कत बढ़ रही है। इसके अलावा, अनहेल्दी खानपान और शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी इसकी कुछ वजहें हैं। कमर दर्द से राहत पाने के लिए एक्सपर्ट हमेशा एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। क्योंकि इससे न सिर्फ मसल्स को आराम मिलेगा, बल्कि शरीर के विभिन्न हिस्सों में होने वाले दर्द से भी राहत मिलेगी।

एक्सरसाइज के अलावा, आपको अपने खानपान पर भी खास ध्यान देना होगा और भोजन में उन पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करना होगा, जो दर्द से राहत प्रदान कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको खाने से आपको दर्द से राहत मिल सकती है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अगर आपको अक्सर कमर में दर्द की परेशानी रहती है तो आपको ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर भोजन का सेवन करना चाहिए। आपको बादाम, अखरोट, चिया बीज, अलसी के बीज और मछली का सेवन करना चाहिए। क्योंकि इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड अच्छी खासी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, आप खाना बनाने के लिए सरसों के तेल और जैतून के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको दर्द से राहत मिल सकती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी फूड- दर्द को कम करने में एंटी इंफ्लेमेटरी फूड भी आपकी काफी मदद कर सकते हैं। आपको अपने किचन में ही ऐसे कई मसाले मिल जाएंगे जिनमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जैसे- दालचीनी, लाल मिर्च और अदरक आदि। इसके अलावा, हल्दी भी एक ऐसा मसाला है, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक हो सकता है।

प्रोटीन फूड- शरीर में प्रोटीन की कमी की वजह से कई बार दर्द की समस्या पैदा हो जाती है। इसलिए अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर भोजन (अंडे, दूध, दाल आदि) को शामिल करें।

हरी सब्जियां- दर्द से राहत पाने के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन भी कर सकते हैं, जैसे- फूलगोभी, ब्रोकोली, पालक और पत्तागोभी आदि। इनमें विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के भी कुछ मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, एक सल्फोराफेन नाम का कंपाउंड भी पाया जाता है, जो दर्द से राहत दिलाने का काम करता है।

जड़ वाली सब्जियां- आप दर्द से राहत पाने के लिए जड़ वाली सब्जियों का सेवन भी कर सकते हैं, जिनमें चुकंदर, गाजर और कद्दू आदि शामिल हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है, जो दर्द से राहत दिलाने का काम कर सकता है।

ताजे फल- दर्द से राहत पाने के साथ-साथ संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आपको रोजाना ताजे फलों का भी सेवन करना चाहिए। अपनी डाइट में अनानास, सेब, चेरी, जामुन, खट्टे फल और अंगूर आदि को शामिल कर सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -032

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

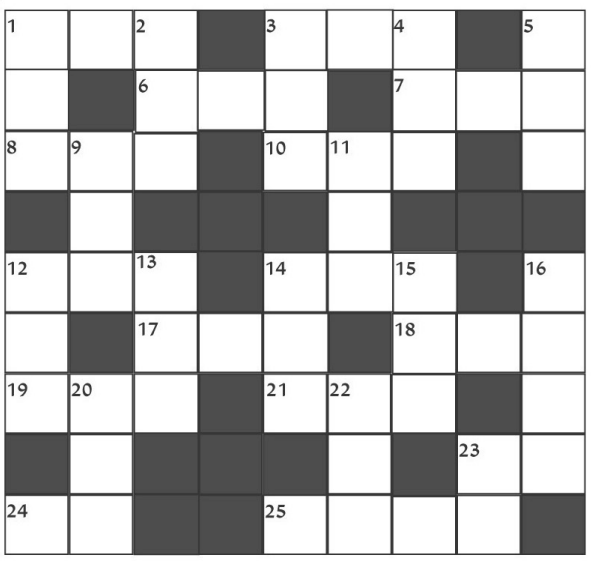

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 31 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

इंग्लिश विंग्लिश की बाल अभिनेत्री नविका कोटिया क्योंकि...सास मां, बहू बेटी होती है में आएंगी नजर

2012 की फिल्म इंग्लिश विंग्लिश में श्रीदेवी की बेटी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नविका कोटिया आगामी टेलीविजन शो क्योंकि।।। सास मां, बहू बेटी होती है में केसर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

उनके किरदार को निर्माताओं ने महत्वाकांक्षी बताया है लेकिन वह जानती हैं कि अपने परिवार के सपनों के साथ-साथ अपने सपनों को कैसे संतुलित करना है। उसका कभी हार न मानने वाला रवैया है।

शो के बारे में बात करते हुए नाविका ने कहा, मैं इतने प्रगतिशील शो क्योंकि।।।सास मां, बहू बेटी होती है में केसर के रूप में अपनी पहली मुख्य भूमिका पाकर रोमांचित हूं। मेरा किरदार केसर एक ऐसा व्यक्ति है जो जानता है कि उसे कैसे संतुलित करना है। जब बात परिवार और करियर की आती है तो मैं उनके कभी हार न मानने वाले रवैये को दृढ़ता से पहचानता हूं क्योंकि यह जीवन के प्रति मेरे अपने दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है।

कहानी दर्शकों को गुजरात ले जाती है जहां एक जीवंत नवरात्रि उत्सव के बीच, सूरत के राजगौर परिवार के भीतर एक तूफ़ान शुरू हो जाता है जब सबसे छोटी बहू - हेतल एक बहू की पारंपरिक भूमिका को चुनौती देते हुए अलग होने की मांग करती है। घटनाओं के इस अप्रत्याशित मोड़ ने राजगौर राजवंश की सबसे बड़ी बहू और कुलमाता अंबिका को तबाह कर दिया है क्योंकि परिवार को एक साथ रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

अपनी भाभी हेतल की इस धारणा को गलत साबित करने की तीव्र इच्छा के साथ कि सास कभी माँ, और बहू कभी बेटी नहीं बन सकती, अंबिका ने एक ऐतिहासिक निर्णय में, अपने परिवार के अनाथालय के दरवाजे पर छोड़े गए एक बच्चे, केसर को गोद ले लिया। और उसे बड़ा करने की कसम खाता है - एक बेटी के रूप में नहीं बल्कि एक बहू के रूप में।

अभिनेत्री ने आगे उल्लेख कियाः एक बार जब मैंने स्क्रिप्ट और चरित्र विवरण के बारे में सीखा, तो मुझे एहसास हुआ कि यह वही है जिसकी मैं तलाश कर रही थी। स्क्रिप्ट वास्तव में आकर्षक है, और कलाकार और चालक दल बहुत प्रतिभाशाली हैं। मैं इसे शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं इस महाकाव्य यात्रा पर, और मैं वास्तव में ऐसे कलाकारों के समूह का हिस्सा बनकर धन्य महसूस करता हूं।

क्योंकि।।।सास मां, बहू बेटी होती है का प्रीमियर 18 सितंबर को ज़ी टीवी पर होगा।

मालदीव में मौनी रॉय के सिर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार

टीवी की नागिन बनकर मौनी रॉय ने खूब पॉपुलैरिटी बटोरी। एक्ट्रेस की अदाएं और लुक्स की भी खूब चर्चा हुईं। लेकिन इस सीरियल के बाद मौनी रॉय दिन पर दिन इतनी ज्यादा बोल्ड होती जा रही हैं कि उनके लुक के चर्चे हर तरफ हो रहे हैं। हाल ही में मौनी ने मालदीव से कई फोटोज शेयर की। इन तस्वीरों में मौनी कैमरे के सामने बिकिनी पहनकर लेटकर ऐसे-ऐसे पोज दे रही हैं कि फैंस उनके लुक को देखकर अपने दिलों पर काबू नहीं कर पा रहे हैं।

मौनी रॉय की ये तस्वीरें मालदीव की हैं। जहां पर एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपने हुस्न को फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी ने टू पीस पहनकर ऐसा कहर बरपाया है कि फैंस उनकी फोटोज से नजरें नहीं हट पा रहे हैं।

मौनी रॉय इन तस्वीरों में कभी कैमरे के सामने लेटकर पोज देती नजर आईं तो कभी कैमरे के सामने बैठकर ऐसे पोज दिए, कि लोगों के दिलों से खेल गईं। मौनी रॉय की ये कातिलाना लुक की फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी राय ने अपने लुक को पूरा करने के लिए कैमरे के सामने लाइट मेकअप और दो चोटी में नजर आईं। मौनी ने इस तस्वीरों को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। कैप्शन में लिखा- फिलहाल सपने देख रही हूं।

इससे पहले मौनी रॉय ने कैमरे के सामने ब्लैक कलर की साड़ी पहनकर हुस्न की ऐसी बिजलियां गिराई थीं कि उनकी खूबसूरती लोगों की रातों की नीदें उड़ा ले गई। फोटोज में एक्ट्रेस ब्लैक प्लेन साड़ी के साथ गोल्डन कलर का चोकर हार और कानों में बड़े बड़े झुमके पहनकर अपने लुक को पूरा किया।

वागले की दुनिया की प्राप्ति शुक्ला द डिप्लोमैट से करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

टीवी सिटकॉम वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से में गुनगुन की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री प्राप्ति शुक्ला बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह आगामी फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आएंगी। अभिनेत्री प्राप्ति शुक्ला ने कहा, आखिरकार अपना बॉलीवुड सपना सच होने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। डिप्लोमैट एक अद्भुत फिल्म होगी और मैं फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, मैं सबसे कम उम्र की भारतीय लडकी की भूमिका निभाऊंगी, जिसे एक पाकिस्तानी लडके से शादी करने के लिए मजबूर किया जाएगा और बाद में उत्पीडन् का शिकार होना पड़ेगा। मेरी भूमिका का कहानी से अच्छा संबंध है, जिसका अभी खुलासा नहीं किया जा सकता। मुझे यकीन है कि मेरे दर्शक मुझे देखकर आनंद लेंगे।

यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है और फिल्म की पटकथा रितेश शाह ने लिखी है। इसका निर्माण टी-सीरीज, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है।

प्राप्ति ने कहा, मैं धन्य हूं और अपने वर्तमान टीवी शो के निर्माताओं की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे शूटिंग के लिए यात्रा करने की अनुमति दी। हमने हिमाचल प्रदेश के दारचा और आसपास के क्षेत्र में शूटिंग की। यह एक यादगार अनुभव था। मेरी मां ने भी मेरे साथ यात्रा की। द डिप्लोमैट 11 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली है।

श्वेता शारदा करेंगी मिस यूनिवर्स 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व

भारत को नई मिस डीवा मिल गई है, जो 72वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये खिताब जीता है चंडीगढ़ की श्वेता शारदा ने। बीती रात मुंबई में मिस डीवा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें श्वेता के सिर मिस डीवा का ताज सजा। उन्होंने कई हसीनाओं को पछाड़ यह खिताब अपने नाम किया। अब श्वेता को मिस यूनिवर्स 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी मिली है।आइए उनके बारे में विस्तार से जानें।

श्वेता चंडीगढ़ से हैं। 16 साल की उम्र में वह मुंबई आ गई थीं। श्वेता न सिर्फ मॉडलिंग, बल्कि डांस करने में भी माहिर हैं। उनकी उम्र 22 साल है। वह डांस दीवाने, डांस प्लस और डीआईडी सहित कई रियलिटी शो में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैंयही नहीं श्वेता ने शो झलक दिखला जा में कोरियोग्राफर के तौर पर भी हिस्सा लिया था।

फेमिना के मुताबिक, श्वेता ने इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री ली है।

एक इंटरव्यू में श्वेता ने बताया था कि उनकी जिंदगी का सबसे गर्व भरा पल वो था, जब उन्होंने दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ, मौनी रॉय और माधुरी दीक्षित संग काम किया और उनसे डांस सिखा।उन्होंने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित सुष्मिता सेन ने किया है। श्वेता का मानना है कि हर लड?ी को खुद को सुरक्षित रखने के लिए अच्छी शिक्षा और आत्मविश्वास की जरूरत होती है। एक सुरक्षित संसार के लिए लड़कियों को मजबूत बनाना जरूरी है।

श्वेता को इंस्टाग्राम पर 4 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। उन्हें हाल ही में जाने-माने गायक जुबिन नौटियाल और तुलसी कुमार के गाने मस्त आंखें के म्यूजिक वीडियो में देखा गया था।मिस डीवा यूनिवर्स 2023 प्रतियोगिता में सवाल-जवाब के दौरान जब श्वेता से उनके जीवन के सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने झट से अपनी मां का नाम लिया।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो श्वेता की परवरिश अकेले उनकी मां ने की है।

हर साल की तरह इस साल भी मिस यूनिवर्स 2023 का आगाज होने जा रहा है। यह इसका 72वां संस्करण होगा। ये प्रतियोगिता 18 नवंबर को अमेरिका के अल साल्वाडोर में आयोजित होगी।प्रतिस्पर्धा के लिए 54 देशों की सुंदरियों का चयन किया गया है। खास बात यह है कि 66 सालों में ऐसा पहली बार होगा, जब इस प्रतियोगिता में शादीशुदा महिलाएं और माएं भी भाग ले सकेंगी।यह नियम इसी साल लाया गया है।

पति पत्नी और वो 2 से कटा अनन्या का पत्ता

बॉलीवुड में इन दिनों कई फिल्मों के सीक्वल बन रहे हैं। गदर 2 और ओह माय गॉड 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही हैं, वहीं अब ड्रीम गर्ल का सीक्वल भी रिलीज के लिए तैयार है।इस सबके बीच अब कार्तिक आर्यन भी अपनी 2019 आई फिल्म पति पत्नी और वो की अगली किस्त लाने की तैयारी में जुट गए हैं।फिल्म में कार्तिक के साथ भूमि पेडनेकर नजर आएंगी, लेकिन अनन्या पांडे अब इसका हिस्सा नहीं होंगी।

सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, कहानी में बदलाव के चलते कार्तिक और भूमि पति पत्नी और वो के सीक्वल में अनन्या के बिना ही वापस लौट रहे हैं।बताया जा रहा है कि इस बार फिल्म में वो के किरदार में काफी कुछ बदलने वाले है, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया है।फिल्म में अनन्या की जगह अब किसी अन्य अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा, जिसकी तलाश चल रही है।

फिल्म के साथ जुड़े करीबी सूत्र के मुताबिक, फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और साथ ही इसकी कास्ट पर भी विचार किया जा रहा है।कहा जा रहा है कि जैसे ही सब तय हो जाएगा, उसके बाद अगले साल की शुरुआत में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित पति पत्नी और वो ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में दूसरी किस्त से भी अच्छे की ही उम्मीद है।

इस फिल्म की कहानी चिंटू त्यागी (कार्तिक) और उसकी पत्नी वेदिका (भूमि) की है।दोनों साथ में खुश थे, लेकिन फिर अचानक चिंटू के ऑफिस में फैशन डिजाइनर तपस्या (अनन्या) की एंट्री होती है और सब बदल जाता है।चिंटू शादीशुदा होने के बाद भी तपस्या से प्यार करने लगता है और अपनी पत्नी से झूठ बोलता है।कुछ समय बाद पत्नी को उसके अफेयर के बारे में पता चल जाता है, जिसके बाद कहानी में ट्विस्ट आता है। कार्तिक इन दिनों कबीर खान द्वारा निर्देशित फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग कर रहे हैं। इसके बाद वह कियारा आडवाणी के साथ भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे।भूमि की बात करें तो वह फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का हिस्सा हैं, जिसमें शहनाज गिल और कुशा कपिला भी नजर आएंगी।अनन्या 25 अगस्त को रिलीज हो रही अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का प्रचार कर रही हैं। वह खो गए हम कहां और कॉल मी बे में दिखाई देंगी।

न्याय व शांति : कब्जा नहीं सहयोग पर बने संबंध

भारत डोगरा

विश्व की बहुत-सी बड़ी समस्याओं के मूल में आधिपत्य के संबंध हैं। दूसरी ओर विश्व के कुछ सबसे बड़े सुधारकों के संदेश में कहीं न कहीं निहित है कि आधिपत्य के संबंध से बचें और आपसी सहयोग और सद्भावना के संबंधों को अपनाएं।

मनुष्यों के आपसी संबंधों की एक प्रमुख कमजोरी और कमी यह है कि एक दूसरे पर आधिपत्य करने, शासन करने, अपना बड़प्पन सिद्ध करने की प्रवृत्ति बहुत प्रबल रही है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो इस प्रवृत्ति के साथ अधिकतर एक दूसरे का हक छीनने, अधिक संचय करने या अधिक लालच की प्रवृत्ति जुड़ी रही है। पर जहां यह लालच नहीं है, वहां भी अहं के कारण अपनी उच्चता स्थापित करने या अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति प्रायः देखी गई है।

कारण अहं हो या लालच, मनुष्य के आपसी संबंधों में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति बहुत सशक्त और व्यापक रही है। जहां जनसाधारण के दैनिक जीवन में इस प्रवृत्ति ने तरह-तरह के दुख-दर्द उत्पन्न किए, वहां युद्ध के मैदान में इस कारण भयानक खून-खराबा भी हुआ। इतिहास के पृष्ठ गवाह हैं कि प्राचीन समय से ही गुलाम और मालिक, गरीब और अमीर, पराजित और विजेता, कमजोर और बलशाली, यहां तक कि स्त्री और पुरुष के संबंध में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति ने बहुत से लोगों को अत्यधिक और असहनीय दुख दिए। बहुत से लोगों पर यह प्रवृत्ति इतनी हावी हो गई है कि उन्होंने अपने आदर्श के रूप में उन्हीं को ग्रहण करना आरंभ किया जो अपना आधिपत्य जमा सकें। सोचने-समझने के ढंग, बातचीत, कथा-कहानियों, यहां तक कि इतिहास में भी उन लोगों को अधिक महत्त्व दिया गया - और प्रायः प्रशंसा की भावना से ही दिया गया-जिन्होंने अपने आधिपत्य को अधिक फैलाने में सफलता प्राप्त की, चाहे इस प्रयास में उन्होंने कितने ही लोगों को नाहक ही अथाह कष्ट पहुंचाए हों।

दूसरी ओर अनेक धर्म-गुरुओं, दार्शनिकों और समाज सुधारकों ने इंसान की इस मूल कमजोरी और इससे जुड़े दुख-दर्द को पहचाना और लोगों को इससे बचाने का प्रयास किया। इनमें से अनेक प्रयासों का असर दूर-दूर तक हुआ और काफी समय तक हुआ। अतः इतिहास में ऐसे दौर भी आए जब आधिपत्य पर आधारित मानव संबंधों को बहुत से लोगों ने एक बुराई के रूप में पहचाना और इसके स्थान पर भाईचारे, समता, सहनशीलता, एक दूसरे के विचारों की इज्जत करने और समझने का प्रयास करने की प्रवृत्ति को अपनाया। कुछ समयों और स्थानों में इन विचारों का प्रसार विभिन्न धर्मों और पंथों के रूप में हुआ, अन्य मौकों पर इनका प्रसार नई आर्थिक-राजनीतिक विचारधाराओं और उनसे जुड़ी क्रांतियों के रूप में हुआ। अनेक सराहनीय शुरुआतों के बावजूद बाद में इन प्रयासों में भी प्रायः कुछ कमजोरियां आ जाती थीं, और आधिपत्य की प्रवृत्ति को फिर प्रबल होने या पहले से भी अधिक प्रबल होने का मौका प्रायः मिल जाता था। आरंभ में इस प्रवृत्ति को हावी करने का अवसर किसी व्यक्ति को छोटे से समूह के स्तर पर ही मिल सकता था, पर बाद में आधिपत्य की महत्त्वाकांक्षा का बेहद विस्तार कर ऐसे साम्राज्य स्थापित किए गए जो लाखों पराजित लोगों और गुलामों पर आधिपत्य कर सके। जब तक शक्तिशाली लोगों पर यह विचाराधारा हावी थी, यह स्वाभाविक ही था कि वे उपलब्ध संसाधनों और नये तौर-तरीकों का उपयोग इसी के विस्तार के लिए करते।

इस प्रवृत्ति के विश्वव्यापी विस्तार का अवसर पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में नये समुद्री मार्गों और स्थानों की खोज से हुआ। यूरोप के देशों के लिए सबसे बड़ी खोज यह थी कि अमेरिकी महाद्वीपों और वहां के बहुमूल्य खनिजों के बारे में उन्हें पता चला। इसके साथ ही विश्व इतिहास के शायद सबसे निर्मम शोषण और तबाही की शुरुआत हुई। यूरोप से दौलत और जमीन के लालच में गये लोगों ने यहां के मूल निवासियों (रेड इंडियन) पर हर तरह के अत्याचार किए, जबरन मजदूरी करवाई, जमीन छीनी, अनेक जगह उनका कत्लेआम किया। करोड़ों की संख्या में यहां के मूल निवासी मारे गए। हजारों वर्ग मील के क्षेत्रों में वे खत्म ही कर दिए गए। अमेरिकी महाद्वीपों में कोलंबस के आगमन के समय (वर्ष 1500 के आसपास) लगभग 10 करोड़ लोग रहते थे। यूरोप के लोगों के यहां आने के बाद के डेढ़ सौ वर्षों में ही 90 प्रतिशत मूल निवासियों की मृत्यु हो गई, मात्र 10 प्रतिशत बचे। बाद में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के मूल निवासियों पर भी ऐसा ही अत्याचार हुआ।उधर, अमेरिका के मूल निवासी बड़ी संख्या में मारे जा रहे थे, इधर यूरोप के लुटेरों ने अफ्रीका के गुलामों को पकड़ कर अमेरिका के खेतों और खदानों में भेजना आरंभ किया। लगभग 350 वर्षों तक जारी रहे इस व्यापार में लगभग डेढ़ करोड़ अफ्रीकावासियों को गुलाम के रूप में अमेरिकी महाद्वीपों में भेजा गया। भेजने का तरीका इतना निर्दयी था कि लाखों गुलाम तो यात्रा के दौरान ही मर गए व अधिकतर अन्य की मौत कार्य स्थल पर निर्मम शोषण के कारण कुछ ही वर्षों में हो गई। साथ ही एशिया के अधिकांश देशों का इतना कठोर शोषण हुआ कि भुखमरी और अकाल से लाखों लोग मरने लगे। भारत का बंगाल प्रांत हो या इंडोनेशिया का जावा प्रांत, यूरोपीय शासकों के आने के कुछ ही समय बाद आबादी के एक तिहाई से एक चौथाई हिस्से की अकाल में मृत्यु हुई।

यूरोप के कुछ देशों ने अन्य सभी महाद्वीपों को जिस बुरी तरह लूटा-खसूटा उससे वहां अपार दौलत एकत्र हुई, और वहां के भी चंद लोगों के पास। इंग्लैंड में बड़े भूस्वामियों ने अपने देश के भी छोटे किसानों को बड़े पैमाने पर बेदखल कर दिया, जिससे वे सस्ते मजदूर बनकर नई फैक्ट्रियों में छा गए। यहां मजदूरी की उन दिनों (औद्योगिक क्रांति के आरंभिक वर्षों में) यह हालत थी कि दस वर्ष के बच्चे से पंद्रह घंटे खड़े होकर काम करवाना सामान्य बात समझी जाती थी। बाद में अपने यहां के मजदूरों की स्थिति सुधारने का कुछ कार्य तो इन देशों ने किया, पर उपनिवेशों के प्रति वही अधिकाधिक लूट की प्रवृत्ति बनी रही। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम दशकों में नई साम्राज्यवादी शक्तियों के आगमन से एक जुल्म और विस्तार का नया दौर आरंभ हुआ और भयंकर हिंसा करते हुए कुछ ही वर्षों में इन शक्तियों ने अफ्रीका के अधिकतर भाग का बंटवारा अपने बीच कर लिया।

इस औपनिवेशिक दौर ने कुछ देशों को बाहरी लूट के आधार पर भौतिक सुख-सुविधओं और संपत्ति की ऐसी व्यवस्था खड़ी करने दी जिसे बनाए रखने के लिए आज भी अनेक तौर-तरीकों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विषमता और आधिपत्य की प्रवृत्ति को दृढ़ किया जा रहा है। अनेक शक्तिशाली देशों की अर्थव्यवस्था का ढांचा ऐसा है, और उसमें भी विशेषकर सबसे अमीर लोगों की खास स्थिति ऐसी है कि आधिपत्य के आधार पर ही वे विश्व अर्थव्यवस्था को चलाना चाहते हैं। इसी कारण सैन्य बल और अति विध्वंसकारी आधुनिक हथियारों की दृष्टि से कुछ अमीर देशों का वर्चस्व कायम रखना वे जरूरी समझते हैं।

कहीं न कहीं इस आधिपत्य के सिलसिले को रोक कर सहयोग के संबंधों को स्थापित करना जरूरी हो गया है। नजदीकी मानवीय संबंधों से लेकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक इसकी जरूरत है क्योंकि न्याय और अमन शांति, दोनों के लिए सहयोग के संबंध एक बुनियाद हैं।

सू- दोकू क्र.032

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 31 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बचाइए अपने बच्चों को

देश स्तर पर कोचिंग के हब बने कोटा में छात्रों की खुदकुशी एक भयावह ट्रेंड बनती जा रही है। यह बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

अभी कल रविवार को ही नीट का टेस्ट देने के बाद दो छात्रों ने आत्महत्या कर ली। इसी अगस्त में इंजीनियरिंग-मेडिकल की तैयारी में लगे छह छात्रों ने अपनी जान दे दी है। चालू वर्ष 2023 के पूरे होने में अभी तीन-चार महीने शेष है, यह आंकड़ा 25 तक पहुंच गया है। यह बीते कुछ वर्षों में सर्वाधिक है। यह बढ़ती तादाद चेतना को सुन्न कर दे रही है। छात्रों की खुदकुशी की अकेली वजह-निश्चित सफलता के लिए बेहतर न कर पाने का दुसह्य दबाव है-अब किसी से छिपी नहीं है। न छात्र से और न उनके माता-पिता/अभिभावकों से।

कोचिंग-संचालकों को भी यह बात मालूम है। सरकार भी इसे जानती है, जबकि इसमें उसकी भूमिका सबसे आखिर में आती है। फिर भी प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छात्रों की जान बचाने के लिए शुक्रवार को अपने आवास पर कोचिंग संचालकों के साथ दो घंटे तक मंथन किया। सरकार ने शिक्षा एवं चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई है, जो 15 दिनों बाद अपनी रिपोर्ट में इस मसले का स्थायी हल बताएगी। फिलहाल सरकार ने कोचिंग में होने वाले सभी टेस्ट एग्जाम को दो महीने तक के लिए रोक दिया है।

सवाल है कि स्थिति को इस हद क्रूर बनाने के लिए कौन जिम्मेदार हैं। निस्संदेह, छात्रों के माता-पिता दोषी हैं, जो अपने बच्चों की रु चि और क्षमता को थाहे बिना ही उन्हें इंजीनियर-डॉक्टर बनाने की अपनी अधूरी-असंतृप्त इच्छाओं एवं दूसरों की देखा-देखी पाली गई महत्त्वाकांक्षाओं का मनो बोझ उन पर डालते रहते हैं। ऐसे में छात्रों को खुद से लक्ष्य तय करने की इच्छा दबी रह जाती है। कई मामलों में खुद छात्र भी अंधानुकरण करते हुए अपने लिए कठिन विषय एवं करिअर का चुनाव कर लेते हैं, जिनके भी योग्य नहीं होते।

पहली बार अपनों से दूर रह रहा छात्र अकेले ही अपने ऊपर पड़ते चौतरफा दबावों से जूझता होता है। खुद को साबित करने, इसमें फेल हो जाने, अपने साथियों के सफल होने, इस तरह अपने माता-पिता के सपनों को पूरा न करने का दोषी होने आदि दबाव उसे अपने ट्रैप में ले लेते हैं। इसके बाद उन्हें निर्थक लगती अपनी जिंदगी मौत में ही सार्थक लगती है। अगर बच्चों को बचाना है तो उनमें यह बात गहरे रोपनी होगी कि परीक्षाएं हमेशा चुनौतीपूर्ण ही रहेंगी पर इनमें फेल होना उनकी जिंदगी का दि एंड नहीं है। ईमानदार प्रयास अपने वश का है। यही मायने रखता है। (आरएनएस)

पिंक साड़ी पहन केट शर्मा ने सोशल मीडिया पर लगाया ग्लैमर का तडका

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा अपनी ड्रेसिंग सेंस और कातिलाना अदाओं से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस केट शर्मा की एथनिक लुक से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इन फोटोज में उनका दिलकश अंदाज देखकर फैंस का दिस मचल गया है। एक्ट्रेस केट शर्मा सोशल मीडिया लवर हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उन पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस केट शर्मा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया का पारा गर्म कर दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस केट शर्मा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक को काफी पसंद करते हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक बार फिर से अपनी पतली कमर फ्लॉन्ट करते हुए फैंस को आहें भरने पर मजबूर कर दिया है। केट शर्मा अपनी इन तस्वीरों में एक से बढकर एक कातिलाना पोज देते हुए लोगों के दिलों में खंजर चला रही हैं।

खुलेआम जाम गटक रहे 25 लोगों पर हुई कार्यवाही, वसूला जुर्माना

हमारे संवाददाता

हरिद्वारा। सार्वजनिक स्थल पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए जहां 25 लोगों को दबोच लिया वहीं उनसे हजारों का चालान भी वसूला गया। पुलिस का साफ कहना है कि दोबारा पकड़े जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीकर हुडदंग मचाने वालों पर पुलिस ने अब शिंकजा कसना शुरू कर दिया है। इस क्रम में बीती शाम थाना कनखल पुलिस द्वारा चौकी जगजीतपुर क्षेत्रांतर्गत शराब के ठेके के आसपास, श्री यंत्र पुल के पास स्थित ढाबों एवं बैरागी कैंप में चेकिंग अभियान चलाकर सड़क किनारे खुले में शराब पीने वाले कुल 25 व्यक्तियों को दबोचा गया। इस दौरान गिरफ्त में आए सभी व्यक्तियों के विरुद्ध 81 पुलिस अधिनियम के तहत कार्यवाही कर 6250 रूपये का जुर्माना भी वसूला गया तथा चेतावनी दी गई कि भविष्य में सार्वजनिक स्थल पर शराब पीते या हुडदंग मचाते मिले तो सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कुत्ते को बियर पिलाने पर युवती के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पालतु कुत्ते को बियर पिलाने के मामले में पुलिस ने युवती के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी चौकी प्रभारी विकसित पंवार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 05 सितम्बर 2023 को इंस्टाग्राम का एक लिंक प्राप्त हुआ। जिसको खोलकर देखा गया तो उक्त लिंक इंस्टाग्राम का होना पाया गया लिंक खोलने पर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो रील प्रसारित हुई। उक्त वीडियो रील का संज्ञान लेकर वीडियो रील का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्ट्या वीडियो में एक युवती द्वारा मनोरंजन के उद्देश्य से एक पालतू जानवर कुत्ते के छोटे बच्चे को बलपूर्वक बीयर जैसी बोतल मे क्षतिकारक पदार्थ/बीयर पिलाना प्रतीत हो रहा है। जो कि पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 के तहत अपराध है। युवती द्वारा उक्त वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से प्रचारित प्रसारित भी किया गया है जो कि आम जनों के लिए भी आपत्तिजनक है एवं पशुओं के प्रति क्रूरता पूर्वक व्यवहार हेतु प्रेरित करने वाला है। उक्त इंस्टाग्राम प्रोफाइल को खोलने का प्रयास किया गया तो प्रोफाइल प्राइवेट प्रोफाइल पाई गई है जिसका यूआरएल कॉपी किया गया तो इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर लिंक्ड फेसबुक प्रोफाइल भी पाई गई जिसका अवलोकन किया गया तो उक्त प्रोफाइल खुशी सेमवाल के नाम की पाई गई।

चरस तस्करी में एक दबोचा

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम 114 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी रूद्रप्रयाग व थाना ऊखीमठ पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व ऊखीमठ पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 114 ग्राम चरस बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम धनवीर लाल पुत्र चौत लाल, निवासी ग्राम उछोला, थाना गुप्तकाशी, जिला रुद्रप्रयाग बताया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

विपक्ष की घेराबंदी से सरकार पस्त.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मानते हुए इस प्रस्ताव को वापस ले लिया गया है। रुड़की और लक्सर क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान और किसानों को इसकी क्षतिपूर्ति का मुद्दा भी सदन में उठाया गया। इससे पहले सुबह खानपुर विधायक उमेश कुमार बाढ़ से खराब हुई फसल के साथ ट्रैक्टर लेकर विधानसभा पहुंचे थे जिन्हे सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोका गया था।

आज शाम सरकार लगभग एक दर्जन भर विधेयक प्रस्ताव सदन में रखने जा रही है जिन्हें थोड़ी बहुत चर्चा के साथ पारित किया जाना और सप्लीमेंट्री बजट जो 11000 करोड़ से अधिक है पेश किया जाना है। माना जा रहा है कि इस काम के निपटते ही मानसून सत्र के समापन की घोषणा हो सकती है क्योंकि कल कृष्ण जन्माष्टमी की छुट्टी भी है।

गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव मेले का आयोजन 10 सितम्बर को

संवाददाता

देहरादून। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दस सितम्बर को गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव समिति की अध्यक्षा श्रीमती ज्योति कोटिया ने जानकारी देते हुए बताया कि हरितालिका तीज सम्पूर्ण विश्व में रहने वाले हिन्दू समाज में मनाया जाने वाला एक पवित्र धार्मिक पर्व है। उन्होंने बताया कि अपने वैवाहिक जीवन की खुशहाली एवं पति की दीर्घायु, सौभाग्य कल्याण के साथ परिवार में सुख शान्ति हेतु हिन्दू नारियों द्वारा मांगलिक अनुष्ठान के रूप में मनाया जाने वाला पवित्र पर्व है। उन्होंने बताया कि गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव कमेटी इस उत्सव को मेले के रूप में विगत 17 वर्षो से भव्य रूप से मनाती आ रही है। इस वर्ष भी गोर्खाली महिला तीज उत्सव कमेटी 10 सितम्बर को जसवंत सिंह ग्राउंड (महेन्द्र ग्राउंड) गढी कैण्ट में गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव मेला भव्य रूप से आयोजित कर रही है। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु तीज उत्सव कमेटी के सदस्य प्रचार-प्रसार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी में एकजुट होकर लगे हैं। उन्होंने बताया कि इस समारोह के मुख्य आकर्षक तीज क्वीन, तीज प्रिंसेस प्रतियोगिताएं, वृद्धा नारियों एवं प्रतिभाओं का सम्मान है। गोर्खाली व्यंजनों के स्टाल एवं गोर्खाली परिधान गहनों एव अन्य स्टाल भी आकर्षक का केन्द्र रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य आकर्षक नेपाल से आये हुए कलाकर रितु कण्डेल(अंतर्राष्ट्रीय नायिका) एवं नीतु कोईराल (लोकप्रिय नायिका) होंगे। इस मेले में अपनी बेमिसाल रंगारंग प्रस्तुतियां देगे। उन्होंने कहा कि मेले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, काबीना मंत्री गणेश जोशी, हंस फाउंडेशन के संस्थापक माता मंगला और भोले महाराज, पंतजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण को सादर आमंत्रित किया गया है। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी श्रीमती पुष्पा क्षेत्री श्रीमती मीनू आले, श्रीमती सरोज गुरूंग भी मौजूद थे।

गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने माया कुण्ड के पास एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से दो किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुदर्शन पुत्र राजा निवासी मुनीकी रेती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत, दोस्त पर हत्या की आशंका

संवाददाता

देहरादून। संदिग्ध अवस्था में युवक की मौत पर परिजनों ने दोस्त पर हत्या करने की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनाल एन्क्लेव बंजारावाला ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 अगस्त 2023 को उसको दोपहर में एक अपरिचित ने फोन से बताया गया कि उसके बेटे रोबिन भण्डारी का एक्सीडेंट हो गया है। उसके तुरन्त बाद चौकी इन्चार्ज आई.टी. पार्क पुरोहित ने उसको फोन करके बताया कि उसके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है, तुरन्त सहस्त्रधारा आओ। वह उस समय अपनी ड्यूटी पर सुद्धोवाला में था तो फिर उसको कोरोनेशन अस्पताल बुलाया गया है, कोरोनेशन अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उसके बेटे रोबिन की मृत्यु हो गई है, यह भी पता चला रोबिन को उसके घर से प्रात: लगभग 10 बजे गौरव निवासी देव ऋषि इन्क्लेव कारगी चौक देहरादून अपने साथ सहस्त्रधारा लेकर गया था रोबिन की दुर्घटना की खबर सुनकर उसका भतीजा विवेक भण्डारी सहस्त्रधारा घटनास्थल पर गया था। गौरव ने उसके भतीजे विवेक भण्डारी को बताया कि रोबिन की डूबने से मौत हुई है, लेकिन वहां पर पानी बहुत कम है, रोबिन के मोबाइल का सिम भी गायब है, उसके बेटे की मृत्यु सामान्य दुर्घटना ना होकर हत्या प्रतीत होती है क्योंकि कम पानी में डूब कर मृत्यु बताई गई जबकि वहां पर पानी बहुत कम था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संदिग्ध अवस्था में समीक्षा अधिकारी की मौत, पत्नी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। संदिग्ध अवस्था में समीक्षा अधिकारी की मौत पर पुलिस ने पत्नी पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगापुर रोड रूद्रपुर निवासी लालसिंह शाही ने क्लेनमटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र विरेन्द्र सिंह शाही जो कि समीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत था, की असामयिक मृत्य 08 अगस्त 2023 को रात्रि लगभग 11. 00 बजे व 09 अगस्त 2023 के प्रात: लगभग 3.00 बजे के मध्य हुई है। 08. अगस्त 2023 की रात्रि लगभग पौने आठ बजे स्वयं की एवं रात्री लगभग साढे दस बजे से 11 बजे तक बडे पुत्र के मोबाइल से वार्ता हुई थी। वार्ता सामान्य रूप से हुई तथा मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ प्रतीत हो रहा था पोस्मार्टम रिपोर्ट में शरीर पर घाव के निशान इंगित किये गये हैं तथा फॉसी के फन्दे पर लटकर आत्महत्या पर सन्देह उत्पन्न होना प्रतीत हो रहा है। वह कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 सेवानिवृत है तथा बड़ा पुत्र व बहु प्राइवेट नौकरी करते हैं। विरेन्द्र के वेतन पर केवल उसकी पत्नी व सवा दो वर्ष की पुत्री के अलावा अन्य कोई आर्थिक बोझ नहीं था।

घटना रात्रि को केवल विरेन्द्र उसकी पत्नी व उसकी पुत्री ही किराये के मकान पर थे। बहु से उपरोक्त घटना के बारे मे बार-बार पूछे जाने पर केवल इतना कहा जा रहा है कि विभागीय कार्य के बोझ के कारण द्वारा विरेन्द्र द्वारा आत्महत्या की गयी है। विरेन्द्र का विवाह 03 फरवरी 2020 को खुशबू खोलिया से प्रेम सम्बन्धों के रिश्तों को अरैन्ज मैरिज के रूप में बड़ी धूमधाम से हुआ था। विवाह के उपरान्त बहु का व्यवहार विरेन्द्र और परिवार के सदस्यों के प्रति अच्छा नहीं था। उससे भी उसके बेटे ने अपनी पत्नी खुशबू के गलत व्यवहार की जानकारी बतायी थी। कई बार चाहे घर पर हो या देहरादून में हो, उसके व धर्मपत्नी के सम्मुख भी विरेन्द्र से लडती झगड़ती एवं प्रताडित करती थी। बार-बार उसके द्वारा खुशबू को समझाने पर भी उसके द्वारा दुबारा ऐसी गलती नहीं करूगीं, कहती रही।

विरेन्द्र की पत्नी खुशबू का इस प्रकार का व्यवहार के लिए उसके मॉ-बाप का भी काफी सहयोग रहा है। वर्तमान में परिवार के सभी सदस्य उक्तानुसार खुशबू के व्यवहार से डरे व सहमे हुये है। उसके पुत्र ने स्वयं आत्महत्या नहीं की है बल्कि या तो उसे उकसाया गया है या फिर विरेन्द्र की पत्नी खुशबू द्वारा अपने अन्य साथियों का सहयोग लेकर भी रस्सी इत्यादि से गला घोंटकर चादर से बाँधकर पंखे पर लटकाया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

मायावती ने की देश के नाम पर बने दलों व गठबंधनों पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि वह श्भारतश और श्इंडियाश पर की जा रही ओछी राजनीति का स्वत: संज्ञान ले और देश का नाम लेकर चलने वाली सभी राजनीतिक संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए। बसपा की अध्यक्ष मायावती ने देश का नाम सिर्फ भारत रखे जाने को लेकर छिड़े विवाद को बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष की संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की सोची-समझी रणनीति और षड्यंत्र करार दिया। साथ ही उन्होंने उच्चतम न्यायालय से इसका स्वत: संज्ञान लेकर देश के नाम पर बने सभी संगठनों, पार्टियों और गठबंधनों पर तुरंत रोक लगाए जाने की भी मांग की। मायावती ने कहा, भारत अर्थात इंडिया का चिर परिचित और गरिमामय संवैधानिक नाम है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पवित्र मानवतावादी और जनकल्याणकारी संविधान से अपने देश की सभी जातियों एव धर्मों को मानने वाले लोगों का अपार प्रेम, बेहद लगाव और सम्मान है। इसे बदलकर या इसके साथ छेड़छाड़ करके उनकी भावना के साथ कोई भी खिलवाड़ करना घोर अनुचित है। उन्होंने कहा, इस बारे में सच्चाई तो यह है कि देश के नाम को लेकर अपने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का मौका खुद विपक्ष ने भाजपा को दिया है वह भी एक सोची-समझी रणनीति और षड्यंत्र के तहत अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखकर। या फिर यह कहा जाए कि यह सब कुछ सत्ता पक्ष और विपक्ष की अंदरूनी मिली भगत से हो रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र सहित 3 की मौत

सारण। बिहार के सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से पिता-पुत्र सहित परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक किशोर की हालत गंभीर है, उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष से 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने का ऐलान किया गया है। मृतकों के परिजनों ने बताया कि कल शाम के समय लगभग 5 बजे जब बारिश हो रही थी, उसी दौरान पिता-पुत्र खेत में यूरिया का छिड़काव करने गए थे। उसी समय घर के दो किशोर भी खेत पर चले गए। खेत में खाद डालने के दौरान बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए चारों लोग एक पेड़ की आड़ में छिप गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में चारो लोग आ गए और अचेत हो गए। इस घटना के लगभग 2 घंटे बाद परिजनों को जानकारी मिली। परिजन आनन फानन में सभी को नजदीक के क्लीनिक में ले गए, जहां से गरखा अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इसके बाद गरखा अस्पताल में भी गभीर हालत को देखते हुए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। छपरा सदर अस्पताल में पिता-पुत्र सहित तीन को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं एक किशोर की हालत गंभीर बनी हुई है।

मणिपुर के पांच जिलों में फिर लगाया गया कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर के पांच जिलों में एक बार फिर से कर्फ्यू लगा दिया गया है। घाटी के पांचों जिलों में एहतियाती उपाय के तौर पर मंगलवार शाम से एक बार फिर पूर्ण कर्फ्यू लगाया गया। चूराचांदपुर से कुछ किलोमीटर दूर बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटिग्रिटी (सीओसीओएमआई) और उसकी महिला इकाई द्वारा बुधवार को सभी घाटी जिलों के लोगों से सेना के एक बैरिकेड को हटाने के आह्वान के मद्देनजर बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में कर्फ्यू के घंटों में दी गई ढील समाप्त कर दी गई है। इन जिलों में रोजाना सुबह पांच बजे से लेकर शाम छह बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई थी। राज्य के सूचना एवं जन संचार मंत्री सपम रंजन ने कहा, ष्सरकार ने सीओसीओएमआई से छह सितंबर को तोरबुंग के पास फौगाकचाओ इखाई में सेना के बैरिकेड पर धावा बोलने की प्रस्तावित योजना को वापस लेने की अपील की है। सपम ने सभी से ष्सरकार द्वारा उठाए गए सुरक्षा कदमों का समर्थन करनेष् का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, बिजली, पीएचईडी, पेट्रोल पंप, स्कूल/कॉलेज, नगर पालिका, मीडिया और अदालत जैसी आवश्यक सेवाओं से संबंधित व्यक्तियों तथा हवाई यात्रियों को कर्फ्यू के दौरान आवाजाही की छूट दी जाएगी।

भारत से विपक्ष को आपत्ति क्यों: धामी

❑हरिद्वार के संतों ने भी किया देश का नाम बदलने का स्वागत

विशेष संवाददाता

देहरादून। देश के नाम को लेकर छिड़े महासंग्राम के बीच आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि हम हमेशा से जब भारत माता की जय बोलते रहे हैं तो कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को देश का नाम भारत होने पर आपत्ति क्यों हैं क्यों वह सनातन धर्म की महत्वता और अस्तित्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं है?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच हमेशा राष्ट्रीयता की सोच रही है हमारे लिए हमारा राष्ट्र ही सर्वोपरि है जो राष्ट्र विरोधी सोच रखते हैं वहीं भारत का विरोध कर रहे हैं उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति को स्वीकार न करने वाले लोग सनातन धर्म के

विरुद्ध आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की सोच प्रसांगिक है। स्टालिन और खड़गे जैसे नेता सनातन को लेकर जिस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं वह विपक्षी गठबंधन की सनातन और भारत विरोधी सोच का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जैसे नेताओं का इस पर चुप्पी साधना और इसका खंडन न करना यही बताता है कि यह विपक्षी गठबंधन की सामूहिक सोच है और इस पर इन सभी नेताओं की मौन स्वीकृति है।

उधर हरिद्वार के उन तमाम साधु संतों ने जो अब तक स्टालिन द्वारा सनातन को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, द्वारा देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने की सरकार की सोच का समर्थन किया है। अखाड़ा परिषद के संत रवींद्र पुरी का कहना है कि इंडिया शब्द गुलामी की मानसिकता का परिचायक है इसलिए देश के नाम से इंडिया को हटाना और सिर्फ भारत रखा जाना एक अच्छा फैसला है हम इसका स्वागत करते हैं।

अभिनंदन पंचतत्वों में विलीन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र अभिनंदन शर्मा भानु पंचतत्वों में विलीन हुए। उनके छोटे भाई वरूण शर्मा ने उनको मुखाग्नि दी। इस अवसर पर सैकडों लोग लक्खीबाग पहुंचे और नम आंखों से उनको अंतिम बिदाई दी।

आज यहां सुबह प्रात: से ही पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के राजपुर स्थित घर में लोगों का तांता लगना शुरू हो गया। सुबह करीब साढे आठ बजे राजपुर से अभिनंदन शर्मा (भानु) की अंतिम यात्रा शुरू हुई। राजपुर से अंतिम यात्रा कांग्रेस भवन के समीप स्थित दुकान पर पहुंची जहां पर थोडी देर दर्शन के लिए उनको रखा गया। जिसके बाद अंतिम यात्रा शुरू होकर लक्खीबाग स्थित श्मशान घाट पर पहुंची जहां पर सैकडों की संख्या में शहर के गणमान्य व्यक्ति व कांग्रेस जन पहुंचे। लक्खीबाग में अभिनंदन शर्मा भानु को नम आंखों से अंतिम बिदाई दी गयी। उनको मुखाग्नि उनके छोटे भाई वरूण शर्मा ने दी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, सूर्यकान्त धस्माना, अशोक वर्मा, विजयपाल सजवाण, पूर्व विधायक राजकुमार, सुभाष इस्सर, पूर्व पार्षद राजेश उनियाल, संजय शर्मा, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन कण्डवाल, राजपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय वाधवा, सेवानिवृत्त सीओ अनिल शर्मा, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डा. जसविन्दर सिंह गोगी, राजीव जैन, शिव सेना प्रदेश प्रमुख गौरव कुमार, भाजपा से आदित्य चौहान, अनिल गोयल, विशाल गुप्ता रविन्द्र कटारिया आदि ने नम आंखों से अभिनंदन को अंतिम बिदाई दी।

स्कार्पियो कार दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत दो गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क हादसे में देर रात एक तेज अनियत्रिंत स्कार्पियो कार के दुर्घटना ग्रस्त हो जाने से जहां दो युवको की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात लगभग तीन बजे खानपुर लक्सर मार्ग पर कस्बे के निकट एक स्कॉर्पियो गाड़ी सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें सवार चार लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। खानपुर एसओ मनोहर भंडारी ने बताया की गाड़ी में सवार सत्यवान (28) पुत्र करण सिंह, निवासी चंद्रपुरी कला और कमल (29) पुत्र राजेश, निवासी माडाबेला की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि गाड़ी में सवार मुकेश (30) पुत्र बल सिंह और संजय (35) पुत्र ओमप्रकाश माडाबेला गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को लक्सर के अस्पताल भिजवाया। जहां से हालत बिगड़ने पर दोनों घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। खानपुर एसओ मनोहर भंडारी ने बताया कि प्रथम दृश्य झपकी आने के चलते सड़क किनारे पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने का मामला लगता है। फिर भी मामले की जांच की जा रही है। दोनों युवकों की मौत से उनके घरों में कोहराम मचा हुआ है।

आईजी पुष्पक ज्योति की फेसबुक आईडी हैक, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। आईजी पुष्पक ज्योति की फेसबुक आईडी हैक होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईपीएस आईजी पुलिस मुख्यालय पुष्पक ज्योति ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी ने उनकी फेसबुक आईडी हैक कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।